



बाल दर्पण



सीख * संवाद * सोच



पी एम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुम्हरिया, कांके



प्रधानाचार्या की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों, आदरणीय अभिभावकों एवं सम्मानित शिक्षकों,

आप सभी को **PM SHRI GUHS, KUMHARIYA** के विद्यालय समाचार-पत्र के इस अंक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास तथा जीवन कौशल अर्जित करने का सशक्त माध्यम है। **PM SHRI** योजना के अंतर्गत हमारा विद्यालय गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं नवाचार-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराना है, जहाँ वह अपनी प्रतिभा को पहचान सके, उसका विकास कर सके तथा एक जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक बन सके। इस समाचार-पत्र में विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों की झलक प्रस्तुत की गई है। यह हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के सामूहिक प्रयास, समर्पण और उपलब्धियों का प्रतिबिंब है। मुझे विश्वास है कि यह प्रकाशन सभी पाठकों को प्रेरित करेगा तथा विद्यालय और समाज के बीच सकारात्मक संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा।

मैं विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के सतत सहयोग, परिश्रम एवं समर्पण के लिए हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। आइए, हम सभी मिलकर ज्ञान, अनुशासन, नवाचार और उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लें।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामनाओं सहित।

ABOUT SCHOOL

(विद्यालय : एक नजर में)

S.NO	PARTICULARS	DETAILS
1	MANAGEMENT	STATE GOVERNMENT (JHARKHAND ACADEMIC COUNCIL)
2.	ESTABLISHMENT	1967
3.	UPGRADATION	2012
4.	UDISE- CODE	20140107701
5.	SCHOOL CODE	11262
6.	MAIL- ID	pmsgriguhsukumhariyakanke@gmail.com
7.	WEBSITE	https://pmskumhariya.com/
8.	AREA	RURAL
9.	CLASSES	KG - X
10	TOTAL NO. OF STUDENTS	634
11.	TOTAL NO. OF TEACHERS	21
12	TOTAL NO OF NON- TEACHING STAFF	01
13	TOTAL NO. OF LABS	05+01 (SCIENCE & ICT)
14	CURRENT ENROLMENT	620
15	TOTAL GIRLS	319
16	TOTAL BOYS	301

ACTIVITIES OF THE MONTH JULY 2026

(अगस्त महीने की गतिविधियाँ)

गतिविधियाँ	दिनांक	कक्षाएँ
बोर्ड डेकोरेशन प्रतियोगिता	10.08.2026	VI-X
डायरिया कैम्पेन	TILL 31.08.2026	I - X
पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता	04.08.2026	VI-X
रीडिंग कैम्पेन	15.08.2026 ONWARDS	I - X
स्वतंत्रता दिवस समारोह	15.08.2026	I - X
बैग-लेस डे	24.08.2026	I - X
राखी बनाओ प्रतियोगिता	27.08.2026	I - X
राष्ट्रीय खेल दिवस	27.08.2026- 30.08.2026	I - X

UPCOMING EVENTS IN THE MONTH OF AUGUST

(माह सितंबर के कार्यक्रम)

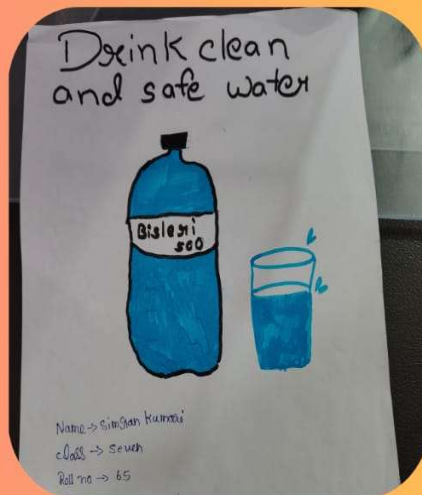
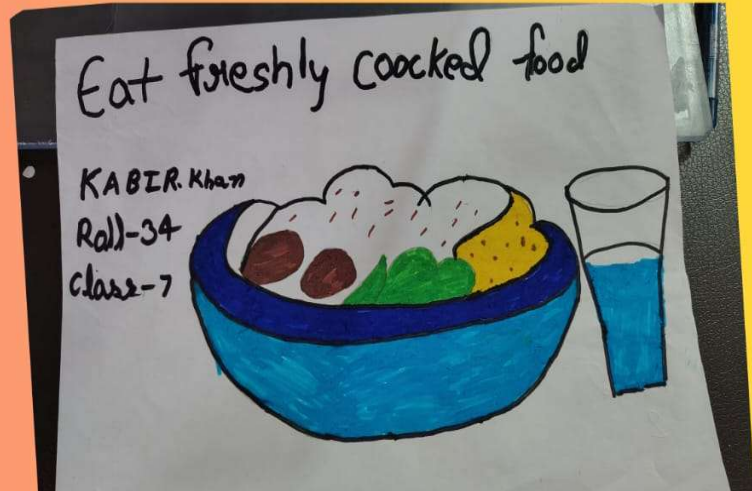
गतिविधियाँ	दिनांक	कक्षाएँ
विशेषज्ञ की बातचीत	02.09.2026	IX - X
शिक्षक दिवस समारोह	05.09.2026	I-X
मिड-टर्म परीक्षा से	07.09.2026 से	I-X
हिंदी दिवस	14.09.2026	VI-X
स्वच्छता पखवाड़ा	सरकार की अधिसूचना के अनुसार	I-X

CHILDREN'S ART CORNER
THEME- CLEAN AND SAFE ENVIRONMENT)
READING CAMPAIGN (रीडिंग कैंपेन)



(“जो आज पढ़ता है, कल वही आगे बढ़ता है।”)

DIARRHEA CAMPAIGN(डायरिया कैम्पेन)



Poster competition

(एक निरोगी और स्वस्थ व्यक्ति ही दुनिया में सबसे ज्यादा अमीर होता है।)

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

(स्वतंत्रता दिवस समारोह)



(स्वतंत्रता दिवस का यह दिन सिर्फ एक आम दिन नहीं है। आज़ादी का यह दिन हमारी आजादी का वजूद है। यह स्वतंत्रता दिवस हमेशा हमें यह याद दिलाता रहेगा कि हम सब आजाद हैं। हमने आजादी की लड़ाई लड़ी थी।)

SCIENCE EXHIBITION (विज्ञान प्रदर्शनी)



("वैज्ञानिक सोच का मतलब है—हर तथ्य को प्रमाण से परखना, न कि अंधविश्वास से मान लेना।")

BAGLESS DAY (बैग-लेस डे)



- (“जो भीड़ से हटकर चलता है, वही एक दिन पूरी दुनिया को लीड करता है।”)



NATIONAL SPORTS DAY (राष्ट्रीय खेल दिवस)



TEACHERS' CORNER
(BY MS. NEELAM KUMARI- TGT NAGPURI)

झारखंड कर रिरासत (नागपुरी-गीत)

टिपिर - टिपिर बरखा में, टिपिर - टिपिर बरखा में,
छाहन - छुपर चुये जुड़े, खरचा नखे धरे
टिपिर - टिपिर बरखा में । धुन।
कौहला - काठी कर खेत, भुरे नहीं मोन तेत
पइंचा करली, पइंचा करली
टिपिड - टिपिड दिया बरे, चुहहा नी जरे,
टिपिर - टिपिर बरखा में ॥ 01॥

गौकरी कर लेवी नाम, मिले नहीं कौनो काम,
का ले पहली, का ले पहली ।
डहर - डहर, शहर - शहर रेकसा चलाबी,
टिपिर - टिपिर बरखा में ॥ 02॥

कार, बंगला - कौठी, लुइंट खालयें हामर रौटी,
आजाद देसे, आजाद देसे ।
अकबक जीवा करे लागे नी बेसे,
टिपिर - टिपिर बरखा में ॥ 03॥

JHARKHAND AT A GLANCE (झारखंड एक नजर में)

(BY RAMEEZ ANSARI- TGT HISTORY)

झारखंड का इतिहास

काल/वर्ष	प्रमुख घटना	संक्षिप्त विवरण
प्राचीन काल	झारखंड का प्रारंभिक इतिहास	वर्तमान झारखंड क्षेत्र में मुंडा, संथाल, उरांव, हो आदि आदिवासी समुदायों का निवास रहा।
प्राचीन काल	नागवंशी शासन	छोटानागपुर क्षेत्र में नागवंशी राजाओं का लंबे समय तक शासन रहा।
मध्यकाल	क्षेत्रीय राजवंशों का शासन	छोटानागपुर और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न स्थानीय राजवंशों का प्रभाव रहा।
1765	ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रभाव	बंगाल की दीवानी मिलने के बाद इस क्षेत्र में अंग्रेजों का प्रभाव बढ़ने लगा।
1770-1780 के दशक	आदिवासी विद्रोह	अंग्रेजी राज और जमींदारी व्यवस्था के विरोध में कई स्थानीय विद्रोह हुए।
1831-32	कोल विद्रोह	बुधु भगत सहित अनेक आदिवासी नेताओं ने ब्रिटिश शासन और शोषण के विरुद्ध आंदोलन किया।
1855-56	संथाल हूल	सिद्ध-कान्हू, चाँद और भैरव के नेतृत्व में संथालों ने अंग्रेजों और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध बड़ा विद्रोह किया।
1895-1900	बिरसा मुंडा आंदोलन	बिरसा मुंडा ने आदिवासी अधिकारों और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध उलगुलान का नेतृत्व किया।
1912	बिहार-उड़ीसा प्रांत का गठन	झारखंड क्षेत्र बिहार-उड़ीसा प्रांत का हिस्सा बना।
1936	बिहार से अलग उड़ीसा	उड़ीसा अलग प्रांत बना और झारखंड क्षेत्र बिहार में रहा।
1950	भारतीय गणराज्य	संविधान लागू होने के बाद यह क्षेत्र बिहार राज्य का हिस्सा बना।
1970-1990 के दशक	झारखंड आंदोलन	अलग राज्य की मांग ने व्यापक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन का रूप लिया।
1995	झारखंड क्षेत्र स्वायत्त परिषद	अलग राज्य की मांग की दिशा में महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाया गया।
15 नवंबर 2000	झारखंड राज्य का गठन	बिहार के दक्षिणी भाग से अलग होकर झारखंड भारत का 28वाँ राज्य बना। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती भी है।
2000 के बाद	आधुनिक झारखंड	राज्य ने खनिज, उद्योग, शिक्षा, कृषि, वन और आदिवासी संस्कृति के विकास की दिशा में आगे बढ़ना शुरू किया।

याद रखने योग्य

- ★ झारखंड = आदिवासी संस्कृति + खनिज संपदा + लंबे संघर्ष का इतिहास
- ★ राज्य गठन : 15 नवंबर 2000
- ★ राजधानी : रांची
- ★ राज्य गठन का आधार : बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000

झारखंड



इस महीने की प्रमुख बातें

- संयुक्त निदेशक श्रीमती स्मिता टोप्पो द्वारा स्कूल का निरीक्षण
- राष्ट्रीय खेल दिवस का सफल आयोजन
- इस महीने ने हमें अपनी विरासत पर गर्व करने का मौका दिया
- भाइयों और बहनों के बीच प्यार और बंधन की गर्मजोशी से भरा महीना

विशेष लेख

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ मत भागो तुम।

बारिश के मौसम में स्वास्थ्य के टिप्स

1. साफ पानी पिएँ  – पीने के लिए साफ या सुरक्षित पानी का ही इस्तेमाल करें।
2. हाथ बार-बार धोएँ  – खाना खाने से पहले और बाहर से आने के बाद साबुन से हाथ धोएँ।

3. ताज़ा और अच्छी तरह पका खाना खाएँ 🍽️ – खुले में रखा या बहुत देर पुराना खाना न खाएँ।
4. फल-सब्जियाँ अच्छी तरह धोएँ 🍏 – खाने से पहले साफ पानी से धोना जरूरी है।
5. मच्छरों से बचाव करें 🦟 – आसपास पानी जमा न होने दें और शाम के समय मच्छरों से बचने के उपाय करें।
6. गीले कपड़े तुरंत बदलें ☔ – बारिश में भीगने के बाद सूखे कपड़े पहनें।
7. पैरों को साफ और सूखा रखें 🦶 – गीली जगहों पर नंगे पैर चलने से बचें।
8. घर में साफ-सफाई रखें 🧹 – कूड़ा और पानी जमा न होने दें।
9. पर्याप्त नींद लें और रोज़ थोड़ा व्यायाम करें 😴 🏃 – इससे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।
10. बीमार महसूस होने पर किसी बड़े को बताएँ और जरूरत हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

📅 आगामी कार्यक्रम

- | | |
|----------------------|--------------------------------|
| - प्रशिक्षण सत्र | - जागरूकता अभियान |
| - मासिक समीक्षा बैठक | - सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम |

🙏 धन्यवाद